चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........हरि भूमि........

दिनांक 27.10.2020 पृष्ठ संख्या......9......कॉलम......2-8......

अब वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी

राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

अब विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना-संस्थागत विकास योजना के तहत सोमवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रेसीडेंट प्रोफेसर डेबोराह स्वीनी ने किया। इस कार्यक्रम में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी संभव नहीं है। इसलिए आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहां के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की नवीनतम तकनीकों तथा व्यापार की बारीकियों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कुलपति के अलावा उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के लॉन्च होने से विद्यार्थियों को कृषि उत्पादों के अतंरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापारीकरण की जानकारी मिलेगी और कृषि की आधुनिक तकनीकों के बारे में भी जान सकेंगे। साथ ही विद्यार्थियों की स्वयं की स्किल्स विकसित होगी।

ये पांच मॉड्यूल हुए लॉन्च

विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा व अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह व ने बताया कि सिडनी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन माध्यम से पांच मॉड्यूल लॉन्च हुए हैं। इन मॉड्यूल में 21वीं सदी के आंत्रप्रेन्योर मॉड्यूल, क्रिएटीविटी एंड इनोवेशन मॉड्यूल, डिजाइन थिंकिंग मॉड्यूल, इंडस्ट्री सेमिनार और रिफेलक्शन रिपोर्टिंग मॉड्यूल शामिल हैं।

हिसार। कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य वक्ता। फोटो : हरिभूमि

इन्होंने लिया कार्यक्रम में हिस्सा

इस ऑनलाइन कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से डॉ. अरूणाचलम, डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय सोलन, हिमाचल प्रदेश के कुलपति डॉ. परविंद्र कौशल, शेर-ए-कश्मीर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नजीर अहमद, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल के कुलपति डॉ. अनुपम मिश्रा तथा बिहार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजय कुमार सिंह ने संबोधित किया। इनके अलावा बैंगलोर, केरल, झांसी, धारवाड़, जोबनेर सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, उद्योग जगत, बैंकिंग अधिकारियों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... हरि भूमि .....

दिनांक 27.10.2020 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7-8.....

वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

■ ऑनलाइन शिक्षा का विवि के उपकुलपति प्रोफेसर डेबोराह स्वीनी ने शुभारंभ किया

प्रदेश के विद्यार्थी अब आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना के तहत सोमवार एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ , जिसका उदघाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रेसीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रोफेसर डेबोराह स्वीनी ने किया। इस कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी संभव नहीं है इसलिए ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लॉन्च किया गया।

ऑनलाइन होंगी पढ़ाई

इसके तहत अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहां के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की नवीनतम तकनीकों और रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली व्यापार की बारीकियों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के अलावा उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम...... पंजाब केसरी ......

दिनांक 27.10.2020 ....पृष्ठ संख्या.......4..........कॉलम.......1-3......

अब आस्ट्रेलिया से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे हरियाणा के विद्यार्थी

चंडीगढ/हिसार, 26 अक्तूबर (पांडेय,ब्यूरो): हरियाणा के विद्यार्थी अब आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना के तहत आज एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ, जिसका उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रैजीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रोफैसर डेबोराह स्वीनी ने किया। कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी संभव नहीं है इसलिए ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। इसके तहत अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहां के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की नवीनतम तकनीकों और रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली व्यापार की बारीकियों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के अलावा उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए।

कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व अन्य वक्ता।

ये 5 मॉड्यूल हुए लॉन्च

विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा व अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह ने बताया कि सिडनी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन माध्यम से 5 मॉड्यूल लॉन्च हुए हैं। इनमें 21वीं सदी के इंटरप्रेन्योर मॉड्यूल, क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन मॉड्यूल, डिजाइन थिंकिंग मॉड्यूल, इंडस्ट्री सैमीनार और रिफलैक्शन रिपोर्टिंग मॉड्यूल शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक भास्कर......

दिनांक 27.10.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 3-6

अब आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे एचएयू के स्टूडेंट

ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम हुआ, विभिन्न यूनिवर्सिटी के वीसी ने लिया हिस्सा

भास्कर न्यूज | हिसार

अब एचएयू के विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत सोमवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रेसीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रोफेसर डेबोराह स्वीनी ने किया। इस कार्यक्रम में एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी संभव नहीं है। इसलिए आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहां के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की नवीनतम तकनीकों और रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली व्यापार की बारीकियों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कुलपति के अलावा उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए। कार्यक्रम में डॉ. अरूणाचलम, डॉ. यशवंत सिंह परमार, डॉ. परविंद्र कौशल, डॉ. नजीर अहमद, डॉ. अनुपम मिश्रा व डॉ. अजय कुमार सिंह ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में भाग लेते विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति।

ये पांच मॉड्यूल हुए लॉन्च

विवि की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा व अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह व ने बताया कि सिडनी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन माध्यम से पांच मॉड्यूल लॉन्च हुए हैं। इन मॉड्यूल में 21वीं सदी के आंत्रप्रेन्योर मॉड्यूल, क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन मॉड्यूल, डिजाइन थिंकिंग मॉड्यूल, इंडस्ट्री सेमिनार और रिफ्लेक्शन रिपोर्टिंग मॉड्यूल शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 27.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....2-6.....

अच्छी खबर योजना के तहत कृषि कौशल सशक्तीकरण कार्यक्रम हुआ शुरू, कुलपति प्रो. समर सिंह विशेष रूप से आमंत्रित किए गए

वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई करेंगे एचएयू के विद्यार्थी

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अब आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत सोमवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तीकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है। इसका उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रेसीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रो. डेबोराह स्वीनी ने किया। कार्यक्रम में एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था।

प्रो. समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना

कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य वक्ता। ● पीआरओ

अभी संभव नहीं है। इसलिए वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तीकरण कार्यक्रम लांच किया गया है। अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। कोरोना काल समाप्त होने के बाद विद्यार्थी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे। साथ ही वहां के विज्ञानियों व कृषि उद्यमियों से मिलकर नवीनतम तकनीकों और रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली व्यापार की बारीकियों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कुलपति के अलावा उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के विज्ञानी भी शामिल हुए।

कृषि व्यापारीकरण को मिलेगा बढ़ावा : इस कार्यक्रम के लांच होने से विद्यार्थियों को कृषि उत्पादों के अतंरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापारीकरण की जानकारी मिलेगी। इसके अलावा कृषि की आधुनिक तकनीकों के बारे में भी जान सकेंगे। साथ ही विद्यार्थियों की स्वयं की स्किल्स विकसित होगी और इनोवेशन व आंत्रप्रेन्योरशिप को बढ़ावा मिलेगा।

ये पांच मॉड्यूल हुए लांच : विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डा. आशा क्वात्रा व अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डा. दलविंद्र सिंह ने बताया कि सिडनी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन माध्यम से पांच मॉड्यूल लांच हुए में। इनमें 21वीं सदी के आंत्रप्रेन्योर मॉड्यूल, क्रिएटीविटी एंड इनोवेशन मॉड्यूल, डिजाइन थिंकिंग मॉड्यूल, इंडस्ट्री सेमिनार और रिफ्लेक्शन रिपोर्टिंग मॉड्यूल शामिल हैं।

इन्होंने लिया कार्यक्रम में हिस्सा : ऑनलाइन कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से डा. अरुणाचलम, डा. यशवंत सिंह परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय सोलन, हिमाचल प्रदेश के कुलपति डा. परविंद्र कौशल, शेर-ए-कश्मीर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. नजीर अहमद, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल के कुलपति डा. अनुपम मिश्रा व बिहार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. अजय कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। इनके अलावा बेंगलुरु, केरल, झांसी, धारवाड़, जोबनेर सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, उद्योग जगत, बैंकिंग व मैनेज के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पाँच बजे .....

दिनांक 27.10.2020 पृष्ठ संख्या..... — .....कॉलम..... — .....

अब आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी : प्रो. समर सिंह

राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत हुआ कार्यक्रम

पांच बजे न्यूज

हिसार। अब विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत सोमवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं थाइस प्रेसीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रोफेसर डेबोराह स्वीनी ने किया। इस कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते

हुए कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी संभव नहीं है। इसलिए आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहां के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की नवीनतम तकनीकों और रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली व्यापार की बारीकियों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कुलपति के अलावा उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए।

कृषि व्यापारीकरण को मिलेगा बढ़ावा

प्रो. समर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के लॉन्च होने से विद्यार्थियों को कृषि उत्पादों के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापारीकरण की जानकारी मिलेगी और कृषि की आधुनिक तकनीकों के बारे में भी जान सकेंगे। साथ ही विद्यार्थियों की स्वयं की स्किल्स विकसित होगी और इनोवेशन व आंत्रप्रेन्योरशिप को बढ़ावा मिलेगा।

ये पांच मॉड्यूल हुए लॉन्च

विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्यात्रा व अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह ग्रेवाल ने बताया कि सिडनी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन माध्यम से पांच मॉड्यूल लॉन्च हुए हैं। इन मॉड्यूल में 21वीं सदी के आंत्रप्रेन्योर मॉड्यूल, क्रिएटीविटी एंड इनोवेशन मॉड्यूल, डिजाइन थिंकिंग मॉड्यूल, इंडस्ट्री सेमिनार और रिफ्लेक्शन रिपोर्टिंग मॉड्यूल शामिल हैं।

इन्होंने लिया कार्यक्रम में हिस्सा

ऑनलाइन कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से डॉ. अरूणाचलम, डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय सोलन, हिमाचल प्रदेश के कुलपति डॉ. परविंद्र कौशल, शेर-ए-कश्मीर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नजीर अहमद, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल के कुलपति डॉ. अनुपम मिश्रा व बिहार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजय कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। इनके अलावा बैंगलोर, केरल, झांसी, धारवाड़, जोधपुर सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, उद्योग जगत, बैंकिंग व मैनेज के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........अजीत समाचार........

दिनांक ..27.10.2020.. पृष्ठ संख्या.......—.......कॉलम.......1.......

अब आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी : प्रो. समर सिंह

राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना-संस्थागत विकास योजना के तहत हुआ कार्यक्रम

कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व अन्य वक्ता। (छाया : राज पराशर)

हिसार, 26 अक्तूबर (राज पराशर): अब विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना-संस्थागत विकास योजना के तहत सोमवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रेसीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रो. डेबोराह स्वीनी ने किया। इस कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए प्रो. समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी संभव नहीं है।

इसलिए आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहां के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की नवीनतम तकनीकों और रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली व्यापार की बारीकियों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कुलपति के अलावा उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए।

इस ऑनलाइन कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से डॉ. अरुणाचलम, डॉ. यशवंत सिंह परमार, बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय सोलन, हिमाचल प्रदेश के कुलपति डॉ. परविंद्र कौशल, शेर-ए-कश्मीर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नजीर अहमद, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल के कुलपति डॉ. अनुपम मिश्रा व बिहार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजय कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। इनके अलावा बैंगलोर, केरल, झांसी, धारवाड़, जोबनेर सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, उद्योग जगत व बैंकिंग के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........सिटी पल्स........

दिनांक 26.10.2020....पृष्ठ संख्या.......—.......कॉलम.......—.......

अब आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी: प्रो. सिंह

राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत हुआ कार्यक्रम कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम हुआ शुरू

हिसार। कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य वक्ता।

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। अब विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना-संस्थागत विकास योजना के तहत सोमवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रेसीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रोफेसर डेबोराह स्वीनी ने किया। इस कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी संभव नहीं है। इसलिए आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहां के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की नवीनतम तकनीकों और रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली व्यापार की बारीकियों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कुलपति के अलावा उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए।

कृषि व्यापारीकरण को मिलेगा बढ़ावा

प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के लॉन्च होने से विद्यार्थियों को कृषि उत्पादों के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापारीकरण की जानकारी मिलेगी और कृषि की आधुनिक तकनीकों के बारे में भी जान सकेंगे। साथ ही विद्यार्थियों की स्वयं की स्किल्स विकसित होगी और इनोवेशन व आंत्रप्रेन्योरशिप को बढ़ावा मिलेगा।

इस ऑनलाइन कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से डॉ. अरूणाचलम, डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय सोलन, हिमाचल प्रदेश के कुलपति डॉ. परविंद कौशल, शेर-ए-कश्मीर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नजीर अहमद, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल के कुलपति डॉ. अनुपम मिश्रा व बिहार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजय कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। इनके अलावा बैंगलोर, केरल, झांसी, धारवाड़, जोबनेर सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, उद्योग जगत, बैंकिंग व मैनेज के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

ये पांच मॉड्यूल हुए लॉन्च

विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा व अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह व ने बताया कि सिडनी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन माध्यम से पांच मॉड्यूल लॉन्च हुए हैं। इन मॉड्यूल में 21वीं सदी के आंत्रप्रेन्योर मॉड्यूल, क्रिएटीविटी एंड इनोवेशन मॉड्यूल, डिजाइन थिंकिंग मॉड्यूल, इंडस्ट्री सेमिनार और रिफैलक्शन रिपोर्टिंग मॉड्यूल शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........समस्त हरियाणा........

दिनांक 27-10-2020....पृष्ठ संख्या....—....कॉलम....—....

अब आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी : वीसी

समस्त हरियाणा न्यूज

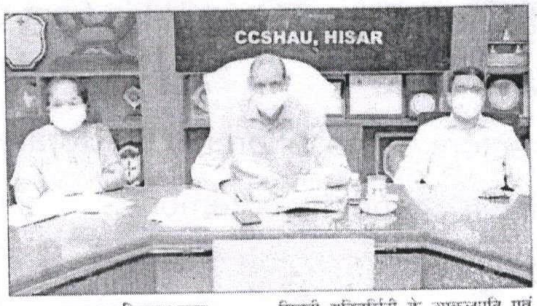

हिसार। अब विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना-संस्थागत विकास योजना के तहत सोमवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रेसीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रोफेसर डेबोराह स्वीनी ने किया। इस कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी संभव नहीं है।

इसलिए आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहां के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की नवीनतम तकनीकों और रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली व्यापार की बारीकियों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कुलपति के अलावा उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए।

यह पांच मॉड्यूल हुए लॉँच

विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा व अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह व ने बताया कि सिडनी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन माध्यम से पांच मॉड्यूल लॉन्च हुए हैं। इन मॉड्यूल में 21वीं सदी के आंत्रप्रेन्योर मॉड्यूल, क्रिएटीविटी एंड इनोवेशन मॉड्यूल, डिजाइन थिंकिंग मॉड्यूल, इंडस्ट्री सेमिनार और रिफ्लेक्शन रिपोर्टिंग मॉड्यूल शामिल हैं।

कृषि व्यापारीकरण को मिलेगा बढ़ावा

प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के लॉन्च होने से विद्यार्थियों को कृषि उत्पादों के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापारीकरण की जानकारी मिलेगी और कृषि की आधुनिक तकनीकों के बारे में भी जान सकेंगे। साथ ही विद्यार्थियों की स्वयं की स्किल्स विकसित होंगी और इनोवेशन व आंत्रप्रेन्योरशिप को बढ़ावा मिलेगा। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से डॉ. अरूणाचलम, डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय सोलन, हिमाचल प्रदेश के कुलपति डॉ. परविंद्र कौशल, शेर-ए-कश्मीर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नजीर अहमद, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल के कुलपति डॉ. अनुपम मिश्रा व बिहार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजय कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। इनके अलावा बैंगलोर, केरल, झांसी, धारवाड़, जोबनेर सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, उद्योग जगत, बैंकिंग व मैनेज के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक ..27..10..2020..पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3.....

वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी : प्रो. सिंह

हिसार। अब विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना-संस्थागत विकास योजना के तहत सोमवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तीकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन यूनिवर्सिटी के उपकुलपति प्रो. डेबोराह स्वीनी ने किया।

इस कार्यक्रम में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को आमंत्रित किया गया था। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते शारीरिक रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी संभव नहीं है। इसलिए वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तीकरण कार्यक्रम शुरू किया गया है। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....जमर उजाला.....

दिनांक ..27.10.2020..पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5.....

एचएयू में लगेगा एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र

हिसार। अब जल्द ही हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में बिजली के उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटेड के बीच एक बिजली खरीद करार हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी वहन करेगी। संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय को सालाना करीब 65 लाख रुपये से अधिक की बचत होगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय सालाना 13.70 लाख यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा। संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा, क्योंकि इस संयंत्र से उत्पन्न बिजली का रेट प्रति यूनिट करीब 3 रुपये 33 पैसे के हिसाब से पड़ेगा, जबकि इससे पहले जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट प्रति यूनिट महंगा है। इस करार के तहत विवि के भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना अगले छह माह में कर दी जाएगी। यह सारा कार्य भारत सौर ऊर्जा निगम व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) की देखरेख में होगा। इस संयंत्र के लगने से हिसार शहर में भी एक लाख यूनिट प्रति माह बिजली की खपत कम होगी, जिससे गर्मी के दिनों में लगने वाले कटों से निजात मिलेगी। इन संयंत्रों की देखरेख का जिम्मा कंपनी का होगा और अगले 25 वर्षों तक कंपनी ही इन सौर ऊर्जा संयंत्रों को चलाएगी व उनकी देखभाल करेगी। इसके बाद 25 वर्ष की समयावधि पूरी होने पर यह सौर ऊर्जा संयंत्र विश्वविद्यालय की संपत्ति हो जाएगा। *ब्यूरो*

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......एच आर ब्रेकिंग......

दिनांक 26.10.2020......पृष्ठ संख्या......—......कॉलम......—......

अब आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी : प्रोफेसर समर सिंह

राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत हुआ कार्यक्रम

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य वक्ता।

हिसार। अब विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत सोमवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रेसीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रोफेसर डेबोराह स्वीनी ने किया।

इस कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी संभव नहीं है। इसलिए आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहां के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की नवीनतम तकनीकों और रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली व्यापार की बारीकियों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कुलपति के अलावा उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए।

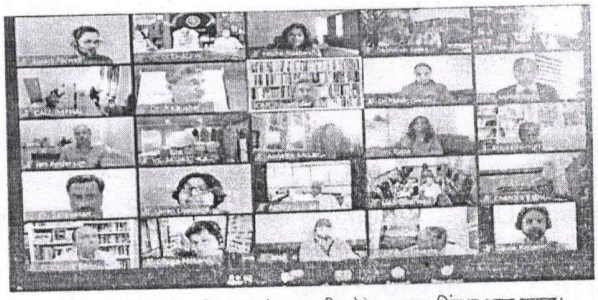

कृषि व्यापारीकरण को मिलेगा बढ़ावा

प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के लॉन्च होने से विद्यार्थियों को कृषि उत्पादों के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापारीकरण की जानकारी मिलेगी और कृषि की आधुनिक तकनीकों के बारे में भी जान सकेंगे। साथ ही विद्यार्थियों की स्वयं की स्किल्स विकसित होंगी और इनोवेशन व आंत्रप्रेन्योरशिप को बढ़ावा मिलेगा।

ये पांच मॉड्यूल हुए लॉन्च : *विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा व अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह व ने बताया कि सिडनी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन माध्यम से पांच मॉड्यूल लॉन्च हुए हैं। इन मॉड्यूल में 21वीं सदी के आंत्रप्रेन्योर मॉड्यूल, क्रिएटीविटी एंड इनोवेशन मॉड्यूल, डिजाइन थिंकिंग मॉड्यूल, इंडस्ट्री सेमिनार और रिफेलक्शन रिपोर्टिंग मॉड्यूल शामिल हैं।*

इन्होंने लिया कार्यक्रम में हिस्सा : *इस ऑनलाइन कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से डॉ. अरूणाचलम, डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय सोलन, हिमाचल प्रदेश के कुलपति डॉ. परविंद्र कौशल, शेर-ए-कश्मीर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नजीर अहमद, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के कुलपति डॉ. अनुपम मिश्रा व बिहार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजय कुमार सिंह ने भी संबोधित किया।*

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......नभ छोर......

दिनांक 26.10.2020 पृष्ठ संख्या...... — ......कॉलम...... — ......

आस्ट्रेलिया में पढ़ाई के लिए ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम आरंभ

हिसार/26 अक्टूबर/रिपोर्टर

अब विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना. संस्थागत विकास योजना के तहत आज ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है जिसका उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रेसीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रोफेसर डेबोराह स्वीनी ने किया। इस कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी संभव नहीं है। इसलिए आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिड्नी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहां के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की नवीनतम तकनीकों और रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली व्यापार की बारीकियों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कुलपति के अलावा उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए। विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा व अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह ने बताया कि सिडनी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन माध्यम से पांच मॉड्यूल लॉन्च हुए हैं। इन मॉड्यूल में 21वीं सदी के आंत्रप्रेन्योर मॉड्यूल, क्रिएटीविटी एंड इनोवेशन मॉड्यूल, डिजाइन थिंकिंग मॉड्यूल, इंडस्ट्री सेमिनार और रिफेलक्शन रिपोर्टिंग मॉड्यूल शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....हैलो हिसार.....

दिनांक 27.10.2020 पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—

अब आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी : प्रोफेसर समर सिंह

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : अब विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत सोमवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रेसीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रोफेसर डेबोराह स्वीनी ने किया। इस कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी संभव नहीं है। इसलिए आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लॉन्च किया गया है।

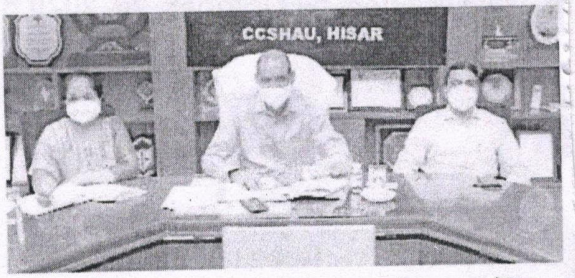

राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत हुआ कार्यक्रम

अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहां के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की नवीनतम तकनीकों और रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली व्यापार की बारीकियों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कुलपति के अलावा उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए।

प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के लॉन्च होने से विद्यार्थियों को कृषि उत्पादों के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापारीकरण की जानकारी मिलेगी और कृषि की आधुनिक तकनीकों के बारे में भी जान सकेंगे।

डॉ. आशा क्वात्रा व अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह व ने बताया कि सिडनी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन माध्यम से पांच मॉड्यूल लॉन्च हुए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 27.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-5.....

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विश्वविद्यालय की नई पहल

एच.ए.यू. में लगेगा एक मैगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र

एम.ओ.यू. पर साइन करने के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति व कंपनी के अधिकारी।

हिसार, 26 अक्तूबर (ब्यूरो): पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय एक नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत अब जल्द ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विद्युत उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे।

इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजैंसी (हरेड़ा) से स्वीकृत के बीच एक बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमैंट)हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मैगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय को सालाना करीब 65 लाख रुपए से अधिक की बचत होगी और विश्वविद्यालय को करीब 3 रुपए 33 पैसे के हिसाब से बिजली मिलेगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा।

6 महीने में तैयार हो जाएगा प्रोजैक्ट

इस करार के तहत अब विश्वविद्यालय के भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना अगले 6 माह में कर दी जाएगी।

इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम, जिसमें कार्यकारी अभियन्ता जितेंद्र सिंह व उप-मण्डल अधिकारी सोमवीर गहलावत शामिल होंगे। यह सारा कार्य भारत सौर ऊर्जा निगम व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजैंसी (हरेड़ा) की देखरेख में होगा। यह सारा काम सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड के द्वारा किया जाएगा। इस संयंत्र के लगने से हिसार शहर में भी एक लाख यूनिट प्रति माह बिजली की खपत कम होगी, जिससे गर्मी के दिनों में लगने वाले कटों से निजात मिलेगी।

ऐसा होगा प्रदेश का पहला संयंत्र

संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरका भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदे का पहला संयंत्र होगा, क्योंकि इस संयंत्र से उत्पन बिजली का रेट प्रा यूनिट करीब 3 रुपए 33 पैसे के हिसाब से पड़ेगा, जबकि इससे पह जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं, उनका बिजली रे प्रति यूनिट महंगा है।

प्रति महीना एक लाख यूनिट बिजली बचेगी : कुलपति

कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि सौर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम होगा। इसे विश्वविद्यालय के सभी भवनों की छतों पर लगाया जाएगा और इसके बाद विश्वविद्यालय को प्रति यूनिट बिजली की दर भी कम हो जाएगी, क्योंकि अभी तक दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से प्रति यूनिट बिजली का खर्च करीब 6.40 रुपए के हिसाब से हो रहा है।

इनकी मौजूदगी में हुआ करार

बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमैंट) साइन करते समय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह, उप-मण्डल अधिकारी सोमवीर गहलावत और सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी खालिद नदीम, उप-प्रबंधक अनिल यादव शामिल थे। इनके अलावा विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक भास्कर .....

दिनांक 27.10.2020 पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1-4.....

पर्यावरण संरक्षण की पहल • एचएयू और सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटेड के बीच हुआ बिजली खरीद करार

एचएयू में लगेगा एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र, सालाना 13.70 लाख यूनिट बिजली बनेगी, विवि को ₹3.33 प्रति यूनिट आएगा खर्च

भास्कर न्यूज | हिसार

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए एचएयू जल्द विवि में बिजली के उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विवि व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेड़ा) से स्वीकृत के बीच एक बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट) हुआ है। विवि में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। इसका खर्च कंपनी वहन करेगी। संयंत्र लगने के बाद विवि को सालाना करीब 65 लाख से अधिक की बचत होगी और संयंत्र लगने के बाद विवि सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा।

प्रदेश का पहला इस तरह का सौर ऊर्जा संयंत्र होगा

संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा, क्योंकि इससे उत्पन्न बिजली का रेट प्रति यूनिट करीब 3 रुपए 33 पैसे के हिसाब से पड़ेगा जबकि इससे पहले जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट प्रति यूनिट महंगा है।

भवनों की छतों पर अगले 6 माह में की जाएगी सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना

इस करार के तहत अब विवि के भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना अगले छह माह में की जाएगी। विवि की तरफ से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम में कार्यकारी अभियन्ता जितेंद्र सिंह व उप-मण्डल अधिकारी सोमवीर गहलावत शामिल होंगे, इस कार्य की निगरानी करेंगे। यह सारा कार्य भारत सौर ऊर्जा निगम व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेड़ा) की देखरेख में होगा। यह काम सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा।

कुलपति व अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ बिजली पर करार

बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट) के साइन करते समय एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह की उपस्थिति में विवि की ओर से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह, उप-मण्डल अधिकारी सोमवीर गहलावत और सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटेड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी खालिद नदीम, उप-प्रबंधक अनिल यादव शामिल थे। इनके अलावा विवि के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विवि के प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

25 वर्षों तक कंपनी की होगी जिम्मेदारी

इन संयंत्रों की देखरेख का जिम्मा कंपनी का होगा और अगले 25 वर्षों तक कंपनी ही इन सौर ऊर्जा संयंत्रों को चलाएगी व उनकी देखभाल करेगी। इसके बाद 25 वर्ष की समयावधि पूरी होने पर यह सौर ऊर्जा संयंत्र विश्वविद्यालय की संपत्ति हो जाएगा।

प्रति माह एक लाख यूनिट बिजली की होगी बचत : प्रो. समर सिंह

''सौर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है। इसे विवि के सभी भवनों की छत्तों पर लगाया जाएगा और इसके बाद विवि को प्रति यूनिट बिजली की दर कम हो जाएगी, क्योंकि अभी तक दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से प्रति यूनिट बिजली का खर्च करीब 6 रुपए 40 पैसे के हिसाब से हो रहा है।'' -प्रो. समर सिंह, कुलपति, एचएयू।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......दैनिक जागरण......

दिनांक ..27.10.2020.. पृष्ठ संख्या ......1...... कॉलम ......2-6......

उपलब्धि | प्रदेश का पहला सौर ऊर्जा आधारित प्रोजेक्ट, सस्ते रेट पर मिलेगी बिजली, सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड व हरेड़ा में करार

एचएयू में लगेगा एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र

जागरण संवाददाता, हिसार : पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए एचएयू एक नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत अब जल्द ही हरियाणा कृषि विवि में विद्युत उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विवि व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेड़ा) के बीच एक बिजली खरीद करार हुआ है।

इसके तहत एचएयू में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। इसका सारा खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगने के बाद विवि को सालाना करीब 65 लाख रुपये से अधिक की बचत होगी और करीब 3 रुपये 33 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली मिलेगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद एचएयू सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा। संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह प्रदेश का पहला सौर ऊर्जा संयंत्र होगा।

एचएयू व कंपनी के बीच एमओयू पर साइन करने के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कंपनी के अधिकारी। ● पीआरओ

25 वर्षों तक कंपनी की होगी जिम्मेदारी

इन संयंत्रों की देखरेख का जिम्मा कंपनी का होगा। अगले 25 वर्षों तक कंपनी ही इन सौर ऊर्जा संयंत्रों को चलाएगी व उनकी देखभाल करेगी। समयावधि पूरी होने पर संयंत्र विश्वविद्यालय की संपत्ति हो जाएगा।

प्रति महीना एक लाख यूनिट बिजली की होगी बचत

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि सौर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है। इसे विश्वविद्यालय के सभी भवनों की छतों पर लगाया जाएगा। इससे विवि की प्रति यूनिट बिजली की दर भी कम हो जाएगी। अभी तक दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से प्रति यूनिट बिजली का खर्च करीब 6.40 रुपये के हिसाब से हो रहा है। इससे प्रति महीना करीब एक लाख यूनिट बिजली की बचत होगी।

इनकी मौजूदगी में करार

करार पर साइन करते समय कुलपति प्रो. समर सिंह की उपस्थिति में विवि की ओर से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह, उप मंडल अधिकारी सोमवीर गहलावत और सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटेड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी खालिद नदीम, उप प्रबंधक अनिल यादव शामिल थे। इनके अलावा विवि के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....सच कहूं........

दिनांक 27.10.2020 पृष्ठ संख्या ....—.... कॉलम ....—....

एचएयू

एचएयू व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड के बीच हुआ बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट)

ग्रीन व क्लीन पर्यावरण की ओर एचएयू के कदम

- एचएयू में एक मेगावाट का लगेगा सौर ऊर्जा संयंत्र
- संयंत्र की देखभाल की जिम्मेदारी 25 वर्ष तक कंपनी की होगी

"एमओयू पर साइन करने के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति व कंपनी के अधिकारी।"

सच कहूं/संदीप सिंहमार

हिसार। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय एक नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत अब जल्द ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में बिजली के उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटेड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) से स्वीकृत के बीच एक बिजली खरीद करार (पावर परचेज एग्रीमेंट) हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय को सालाना करीब 65 लाख रुपए से अधिक का बचत होगी और विश्वविद्यालय को करीब 3 रुपए 33 पैसे के हिसाब से बिजली मिलेगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा।

प्रदेश का पहला होगा ऐसा संयंत्र

यह जानकारी देते हुए संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा, क्योंकि इस संयंत्र से उत्पन्न बिजली का रेट प्रति यूनिट करीब 3 रुपए 33 पैसे के हिसाब से पड़ेगा जबकि इससे पहले जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट प्रति यूनिट महंगा है।

छह महीने में हो जाएगा तैयार

इस करार के तहत अब विश्वविद्यालय के भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना अगले छह माह में कर दी जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम जिसमें कार्यकारी अभियन्ता जितेंद्र सिंह व उप-मण्डल अधिकारी सोमबीर गहलावत शामिल होंगे, इस कार्य की निगरानी करेंगे। यह सारा कार्य भारत सौर ऊर्जा निगम व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेड़ा) की देखरेख में होगा। यह सारा काम सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड के द्वारा किया जाएगा। इस संयंत्र के लगने से हिसार शहर में भी एक लाख यूनिट प्रति माह बिजली की खपत कम होगी जिससे गर्मी के दिनों में लगने वाले कटों से निजात मिलेगी।

25 वर्षों तक कंपनी की होगी जिम्मेदारी

इन संयंत्रों की देखरेख का जिम्मा कंपनी का होगा और अगले 25 वर्षों तक कंपनी ही इन सौर ऊर्जा संयंत्रों को चलाएगी व उनकी देखभाल करेगी। इसके बाद 25 वर्ष की समयावधि पूरी होने पर यह सौर ऊर्जा संयंत्र विश्वविद्यालय की संपत्ति हो जाएगा।

प्रति महिना एक लाख यूनिट बिजली की होगी बचतः कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि सौर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है। इसे विश्वविद्यालय के सभी भवनों की छतों पर लगाया जाएगा और इसके बाद विश्वविद्यालय को प्रति यूनिट बिजली की दर भी कम हो जाएगी, क्योंकि अभी तक दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से प्रति यूनिट बिजली का खर्च करीब 6 रुपए 40 पैसे के हिसाब से हो रहा है।

इनकी मौजूदगी में हुआ करार

बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट) के साइन करते समय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह, उप-मण्डल अधिकारी सोमबीर गहलावत और सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी खालिद नदीम, उप-प्रबंधक अनिल यादव शामिल थे। इनके अलावा विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक सवेरा........

दिनांक 27.10.2020 पृष्ठ संख्या........—........ कॉलम........—........

संयंत्र की देखभाल की जिम्मेदारी 25 वर्ष तक कंपनी की होगी

हिसार, 26 अक्तूबर (सुरेंद्र सोढी) : पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय एक नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत अब जल्द ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में बिजली के उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) से स्वीकृत के बीच एक बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट) हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय को सालाना करीब 65 लाख रुपये से अधिक की बचत होगी और विश्वविद्यालय को करीब 3 रुपये 33 पैसे के हिसाब से बिजली मिलेगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा। इस संयंत्रों की देखरेख का जिम्मा कंपनी का होगा और अगले 25 वर्षों तक कंपनी ही इन सौर ऊर्जा संयंत्रों को चलाएगी व उनकी देखभाल करेगी। इसके बाद 25 वर्षों की समयावधि पूरी होने पर यह सौर ऊर्जा संयंत्र विश्वविद्यालय को सौंप दी जाएगा।

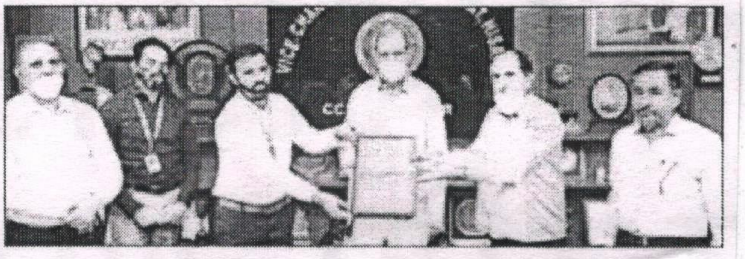

एचएयू व कंपनी के बीच एमओयू पर साइन करने के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति व कंपनी के अधिकारी।

हर माह एक लाख यूनिट बिजली की होगी बचत : कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि सौर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है। इसे विश्वविद्यालय के सभी भवनों की छतों पर लगाया जाएगा और इसके बाद विश्वविद्यालय को प्रति यूनिट बिजली की दर भी कम हो जाएगी, क्योंकि अभी तक दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से प्रति यूनिट बिजली का खर्च करीब 6 रुपये 40 पैसे के हिसाब से हो रहा है।

प्रदेश का पहला होगा ऐसा संयंत्र

संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा क्योंकि इस संयंत्र से उत्पन्न बिजली का रेट प्रति यूनिट करीब 3 रुपये 33 पैसे के हिसाब से पड़ेगा जबकि इससे पहले जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट प्रति यूनिट महंगा है।

छह महीने में हो जाएगा तैयार

इस करार के तहत अब विश्वविद्यालय के भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना अगले छह माह में कर दी जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम जिसमें कार्यकारी अभियन्ता जितेंद्र सिंह व उप-मण्डल अधिकारी सोमवीर गहलावत शामिल होंगे इस कार्य की निगरानी करेंगे। यह सारा कार्य भारत सौर ऊर्जा निगम व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) की देखरेख में होगा। यह सारा काम सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड के द्वारा किया जाएगा। इस संयंत्र के लगने से हिसार शहर में भी एक लाख यूनिट प्रति माह बिजली की खपत कम होगी जिससे गर्मी के दिनों में लगने वाले कटों से निजात मिलेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....समस्त हरियाणा....

दिनांक ..27.10.2020.. पृष्ठ संख्या ....—.... कॉलम ....—....

ग्रीन व क्लीन पर्यावरण की ओर हकृवि के कदम

सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे हकृवि के बिजली उपकरण

हकृवि में एक मेगावाट का लगेगा सौर ऊर्जा संयंत्र

एचएयू व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड के बीच हुआ बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट)

संयंत्र की देखभाल की जिम्मेदारी 25 वर्ष तक कंपनी की होगी

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय एक नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत अब जल्द ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बिजली के उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी(हरेडा) से स्वीकृत के बीच एक बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट)हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगाने के बाद विश्वविद्यालय को सालाना करीब 65 लाख रूपये से अधिक की बचत होगी और विश्वविद्यालय को करीब 3 रूपये 33 पैसे के हिसाब से बिजली मिलेगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा।

प्रदेश का पहला होगा ऐसा संयंत्र

यह जानकारी देते हुए संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा, क्योंकि इस संयंत्र से उत्पन्न बिजली का रेट प्रति यूनिट करीब 3 रूपये 33 पैसे के हिसाब से पड़ेगा जबकि इससे पहले जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट प्रति यूनिट महंगा है।

छह महीने में हो जाएगा तैयार

इस करार के तहत अब विश्वविद्यालय के भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना अगले छह माह में कर दी जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम जिसमें कार्यकारी अभियन्ता जितेंद्र सिंह व उप-मण्डल अधिकारी सोमबीर गहलावत शामिल होंगे, इस कार्य की निगरानी करेंगे। यह सारा कार्य भारत सौर ऊर्जा निगम व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी(हरेडा) की देखरेख में होगा। यह सारा काम सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड के द्वारा किया जाएगा। इस संयंत्र के लगने से हिसार शहर में भी एक लाख यूनिट प्रति माह बिजली की खपत कम होगी जिससे गर्मी के दिनों में लगने वाले कटों से निजात मिलेगी।

प्रति माह एक लाख यूनिट बिजली की होगी बचत : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि सौर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है। इसे विश्वविद्यालय के सभी भवनों की छतों पर लगाया जाएगा और इसके बाद विश्वविद्यालय को प्रति यूनिट बिजली की दर भी कम हो जाएगी, क्योंकि अभी तक दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से प्रति यूनिट बिजली का खर्च करीब 6 रूपये 40 पैसे के हिसाब से हो रहा है।

इनकी मौजूदगी में हुआ करार

बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट) के साइन करते समय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह, उप-मण्डल अधिकारी सोमबीर गहलावत और सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी खालिद नदीम, उप-प्रबंधक अनिल यादव शामिल थे। विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

25 वर्षों तक कंपनी की होगी जिम्मेदारी

इन संयंत्रों की देखरेख का जिम्मा कंपनी का होगा और अगले 25 वर्षों तक कंपनी ही इन सौर ऊर्जा संयंत्रों को चलाएगी व उनकी देखभाल करेगी। इसके बाद 25 वर्ष की समयावधि पूरी होने पर यह सौर ऊर्जा संयंत्र विश्वविद्यालय की संपत्ति हो जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......हैलो हिसार......

दिनांक 27..10..2020...पृष्ठ संख्या.......—.......कॉलम.......—.......

ग्रीन व क्लीन पर्यावरण की ओर एचएयू के कदम एक मेगावाट का लगेगा सौर ऊर्जा संयंत्र

एचएयू व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड के बीच हुआ बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट)

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय एक नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत अब जल्द ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में बिजली के उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी(हरेडा) से स्वीकृत के बीच एक बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट)हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय को सालाना करीब 65 लाख रूपये से अधिक की बचत होगी और विश्वविद्यालय को करीब 3 रूपये 33 पैसे के हिसाब से बिजली मिलेगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा।

प्रदेश का पहला होगा ऐसा संयंत्र

यह जानकारी देते हुए संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा, क्योंकि इस संयंत्र से उत्पन बिजली का रेट प्रति यूनिट करीब 3 रूपये 33 पैसे के हिसाब से पड़ेगा जबकि इससे पहले जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट प्रति यूनिट महंगा है। इस करार के तहत अब विश्वविद्यालय के भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना अगले छह माह में कर दी जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम जिसमें कार्यकारी अभियन्ता जितेंद्र सिंह व उप-मण्डल अधिकारी सोमवीर गहलावत शामिल होंगे,।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पल पल.....

दिनांक 27.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

एचएयू में एक मेगावाट का लगेगा सौर ऊर्जा संयंत्र

पल पल न्यूज: हिसार, 26 अक्टूबर। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय एक नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत अब जल्द ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में बिजली के उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेड़ा) से स्वीकृत के बीच एक बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट)हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय को सालाना करीब 65 लाख रूपये से अधिक की बचत होगी और विश्वविद्यालय को करीब 3 रूपये 33 पैसे के हिसाब से बिजली मिलेगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा। यह जानकारी देते हुए संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा, क्योंकि इस संयंत्र से उत्पन बिजली का रेट प्रति यूनिट करीब 3 रूपये 33 पैसे के हिसाब से पड़ेगा जबकि इससे पहले जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट प्रति यूनिट महंगा है। इन संयंत्रों की देखरेख का जिम्मा कंपनी का होगा और अगले 25 वर्षों तक कंपनी ही इन सौर ऊर्जा संयंत्रों को चलाएगी व उनकी देखभाल करेगी। इसके बाद 25 वर्ष की समयावधि पूरी होने पर यह सौर ऊर्जा संयंत्र विश्वविद्यालय की संपत्ति हो जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाँच बजे.....

दिनांक 26.10.2020...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....3.....

एचएयू व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड के बीच हुआ बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट)

ग्रीन व क्लीन पर्यावरण की ओर एचएयू के कदम, लगेगा एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र

पांच बजे ब्यूरो

हिसार। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय एक नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत अब जल्द ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में बिजली के उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी(हरेडा) से स्वीकृत के बीच एक बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट)हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय को सालाना करीब 65 लाख रूपये से अधिक की बचत होगी और विश्वविद्यालय को करीब 3 रूपये 33 पैसे के हिसाब से बिजली मिलेगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगी।

प्रदेश का पहला होगा ऐसा संयंत्र

यह जानकारी देते हुए संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा, क्योंकि इस संयंत्र से उत्पन्न बिजली का रेट प्रति यूनिट करीब 3 रूपये 33 पैसे के हिसाब से पड़ेगा जबकि इससे पहले जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट प्रति यूनिट महंगा है।

छह महीने में हो जाएगा तैयार

इस करार के तहत अब विश्वविद्यालय के भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना अगले छह माह में कर दी जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम जिसमें कार्यकारी अभियन्ता जितेंद्र सिंह व उप-मण्डल अधिकारी सोमवीर गहलावत शामिल होंगे, इस कार्य की निगरानी करेंगे। यह सारा कार्य भारत सौर ऊर्जा निगम व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी(हरेडा) की देखरेख में होगा। यह सारा काम सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड के द्वारा किया जाएगा। इस संयंत्र के लगने से हिसार शहर में भी एक लाख यूनिट प्रति माह बिजली की खपत कम होगी जिससे गर्मी के दिनों में लगने वाले कटों से निजात मिलेगी।

25 वर्षों तक कंपनी की होगी जिम्मेदारी

इन संयंत्रों की देखरेख का जिम्मा कंपनी का होगा और अगले 25 वर्षों तक कंपनी ही इन सौर ऊर्जा संयंत्रों को चलाएगी व उनकी देखभाल करेगी। इसके बाद 25 वर्ष की समयावधि पूरी होने पर यह सौर ऊर्जा संयंत्र विश्वविद्यालय की संपत्ति हो जाएगा।

प्रति महिना एक लाख यूनिट बिजली की होगी बचत : कुलपति प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि सौर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है। इसे विश्वविद्यालय के सभी भवनों की छतों पर लगाया जाएगा और इसके बाद विश्वविद्यालय को प्रति यूनिट बिजली की दर भी कम हो जाएगी, क्योंकि अभी तक दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से प्रति यूनिट बिजली का खर्च करीब 6 रूपये 40 पैसे के हिसाब से हो रहा है।

इनकी मौजूदगी में हुआ करार

बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट) के साइन करते समय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह, उप-मण्डल अधिकारी सोमवीर गहलावत और सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी खालिद नदीम, उप-प्रबंधक अनिल यादव शामिल थे। इनके अलावा विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........एच आर ब्रेकिंग........

दिनांक 26.10.2020 पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

ग्रीन व क्लीन पर्यावरण की ओर एचएयू के कदम

एचएयू में एक मेगावाट का लगेगा सौर ऊर्जा संयंत्र

एचएयू व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड के बीच हुआ बिजली खरीद करार, संयंत्र की देखभाल की जिम्मेदारी 25 वर्ष तक कंपनी की होगी

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

एचएयू व कंपनी के बीच एमओयू पर साइन करने के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति व कंपनी के अधिकारी।

हिसार। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय एक नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत अब जल्द ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में बिजली के उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी(हरेड़ा) से स्वीकृत के बीच एक बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट)हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय को सालाना करीब 65 लाख रूपये से अधिक की बचत होगी और विश्वविद्यालय को करीब 3 रूपयें 33 पैसे के हिसाब से बिजली मिलेगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा।

प्रदेश का पहला होगा ऐसा संयंत्र

यह जानकारी देते हुए संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा, क्योंकि इस संयंत्र से उत्पन बिजली का रेट प्रति यूनिट करीब 3 रूपये 33 पैसे के हिसाब से पड़ेगा जबकि इससे पहले जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट प्रति यूनिट महंगा है।

छह महीने में हो जाएगा तैयार : इस करार के तहत अब विश्वविद्यालय के भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना अगले छह माह में कर दी जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम जिसमें कार्यकारी अभियन्ता जितेंद्र सिंह व उप-मण्डल अधिकारी सोमवीर गहलावत शामिल होंगे, इस कार्य की निगरानी करेंगे। यह सारा कार्य भारत सौर ऊर्जा निगम व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी(हरेड़ा) की देखरेख में होगा। यह सारा काम सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड के द्वारा किया जाएगा। इस संयंत्र के लगने से हिसार शहर में भी एक लाख यूनिट प्रति माह बिजली की खपत कम होगी जिससे गर्मी के दिनों में लगने वाले कटों से निजात मिलेगी।

25 वर्षो तक कंपनी की होगी जिम्मेदारी : इन संयंत्रों की देखरेख का जिम्मा कंपनी का होगा और अगले 25 वर्षों तक कंपनी ही इन सौर ऊर्जा संयंत्रों को चलाएगी व उनकी देखभाल करेगी। इसके बाद 25 वर्ष की समयावधि पूरी होने पर यह सौर ऊर्जा संयंत्र विश्वविद्यालय की संपत्ति हो जाएगा।

प्रति महिना एक लाख यूनिट बिजली की होगी बचत : कुलपति प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि सौर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है। इसे विश्वविद्यालय के सभी भवनों की छतों पर लगाया जाएगा और इसके बाद विश्वविद्यालय को प्रति यूनिट बिजली की दर भी कम हो जाएगी, क्योंकि अभी तक दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से प्रति यूनिट बिजली का खर्च करीब 6 रूपये 40 पैसे के हिसाब से हो रहा है।

इनकी मौजूदगी में हुआ करार : *बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट) के साइन करते समय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह, उप-मण्डल अधिकारी सोमवीर गहलावत और सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी खालिद नदीम, उप-प्रबंधक अनिल यादव शामिल थे। इनके अलावा विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।*

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......सिटी पल्स......

दिनांक 26.10.2020 पृष्ठ संख्या...—... कॉलम...—...

एचएयू में एक मेगावाट का लगेगा सौर ऊर्जा संयंत्र

प्रति महीना एक लाख यूनिट बिजली की होगी बचतः कुलपति प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है। इसे विश्वविद्यालय के सभी भवनों की छतों पर लगाया जाएगा और इसके बाद विश्वविद्यालय को प्रति यूनिट बिजली की दर भी कम हो जाएगी, क्योंकि अभी तक दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से प्रति यूनिट बिजली का खर्च करीब 6 रुपये 40 पैसे के हिसाब से हो रहा है।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय एक नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत अब जल्द ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में बिजली के उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) से स्वीकृत के बीच एक बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट) हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय को सालाना करीब 65 लाख रुपये से अधिक की बचत होगी और विश्वविद्यालय को करीब 3 रुपये 33 पैसे के हिसाब से बिजली मिलेगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा।

हिसार। एचएयू व कंपनी के बीच एमओयू पर साइन करने के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति व कंपनी के अधिकारी।

प्रदेश का पहला होगा ऐसा संयंत्र

यह जानकारी देते हुए संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा, क्योंकि इस संयंत्र से उत्पन्न बिजली का रेट प्रति यूनिट करीब 3 रुपये 33 पैसे के हिसाब से पड़ेगा जबकि इससे पहले जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट प्रति यूनिट महंगा है।

छह महीने में हो जाएगा तैयार

इस करार के तहत अब विश्वविद्यालय के भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना अगले छह माह में कर दी जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम जिसमें कार्यकारी अभियन्ता जितेंद्र सिंह व उप-मण्डल अधिकारी सोमबीर गहलावत शामिल होंगे, इस कार्य की निगरानी करेंगे। यह सारा कार्य भारत सौर ऊर्जा निगम व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) की देखरेख में होगा। यह सारा काम सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड के द्वारा किया जाएगा। इस संयंत्र के लगने से हिसार शहर में भी एक लाख यूनिट प्रति माह बिजली की खपत कम होगी जिससे गर्मी के दिनों में लगने वाले कटों से निजात मिलेगी।

इन संयंत्रों की देखरेख का जिम्मा कंपनी का होगा और अगले 25 वर्षों तक कंपनी ही इन सौर ऊर्जा संयंत्रों को चलाएगी व उनकी देखभाल करेगी। इसके बाद 25 वर्ष की समयावधि पूरी होने पर यह सौर ऊर्जा संयंत्र विश्वविद्यालय की संपत्ति हो जाएगा। बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट) के साइन करते समय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह, उप-मण्डल अधिकारी सोमबीर गहलावत और सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी खालिद नदीम, उप-प्रबंधक अनिल यादव शामिल थे। इनके अलावा विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाठकपक्ष.....

दिनांक 26.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—

एचएयू में एक मेगावाट का लगेगा सौर ऊर्जा संयंत्र

प्रति महीना एक लाख यूनिट बिजली की होगी बचत : कुलपति प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि सौर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है। इसे विश्वविद्यालय के सभी भवनों की छत्तों पर लगाया जाएगा और इसके बाद विश्वविद्यालय को प्रति यूनिट बिजली की दर भी कम हो जाएगी, क्योंकि अभी तक दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से प्रति यूनिट बिजली का खर्च करीब 6 रूपये 40 पैसे के हिसाब से हो रहा है।

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 26 अक्टूबर : पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय एक नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत अब जल्द ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में बिजली के उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी(हरेडा) से स्वीकृत के बीच एक बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट) हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय को सालाना करीब 65 लाख रूपए से अधिक की बचत होगी और विश्वविद्यालय को करीब 3 रूपए 33 पैसे के हिसाब से बिजली मिलेगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद विश्वविद्यालय सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा। यह जानकारी देते हुए संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा, क्योंकि इस संयंत्र से उत्पन बिजली का रेट प्रति यूनिट करीब 3 रूपये 33 पैसे के हिसाब से पड़ेगा जबकि इससे पहले जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट प्रति यूनिट महंगा है। इस करार के तहत अब विश्वविद्यालय के भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना अगले छह माह में कर दी जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम जिसमें कार्यकारी अभियन्ता जितेंद्र सिंह व उप-मण्डल अधिकारी सोमवीर गहलावत शामिल होंगे, इस कार्य की निगरानी करेंगे। बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट) के साइन करते समय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह, उप-मण्डल अधिकारी सोमवीर गहलावत और सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी खालिद नदीम, उप-प्रबंधक अनिल यादव शामिल थे। इनके अलावा विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Hawk	27.10.2020	Online	--

CCS Haryana Agricultural University Will Set Up A Solar Power Plant To Save Rs 65 Lakh Annually

Chandigarh (The Hawk): Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU) , Hisar is going to take a new initiative towards conservation of environment. As a part of this, the University will soon ensure functioning of electrical appliances through solar energy. This will save the University more than about Rs 65 lakh annually and the University will get electricity at about Rs 3.33. After the solar power plant is set up, the University will generate 13.70 lakh units of electricity annually.

Giving information in this regard, the University spokesperson said that a Power Purchase Agreement (Power) has been secured between Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, Sukhbir Agro Energy Limited (authorized from Solar Energy Corporation of India) and Haryana Renewable Energy Development Agency (Hareda). Under this, one megawatt solar power plant will be installed in the University. The entire cost of setting up the plant will be borne by the company. University Vice Chancellor Professor Samar Singh said that setting up a solar power plant is an important step towards environmental protection. It will be installed on the roofs of all the buildings of the University and after this the rate of electricity per unit to the University will also be reduced, because so far the cost of electricity per unit from Dakshin Haryana Bijli Vitran Nigam is about Rs 6.40. Power Purchase Agreement, was signed in the presence of University Vice-Chancellor Professor Samar Singh, Estate Officer and Chief Engineer, Mr. Bhupendra Singh, Sub Divisional Officer, Mr. Somvir Gehlavat and Sukhbir Agro Energy Limited CEO, Mr. Khalid Nadeem and Deputy Manager Mr. Anil Yadav.

University's Estate Officer and Chief Engineer, Mr. Bhupendra Singh said that this will be the first time such a solar power plant is being installed on government building in the state as the electricity generated from this plant will be around Rs 3.33 per unit. Earlier, wherever government buildings have solar power plants, their electricity rate per unit is expensive. He informed that the company will take care of these plants and for the next 25 years the company will run and maintain these solar power plants. After this, on completion of the 25-year period, this solar power plant will become the property of the university. (JMT-INF).

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Hawk	27.10.2020	Online	--

CCS Haryana Agricultural University Will Set Up A Solar Power Plant To Save Rs 65 Lakh Annually

Chandigarh (The Hawk): Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU) , Hisar is going to take a new initiative towards conservation of environment. As a part of this, the University will soon ensure functioning of electrical appliances through solar energy. This will save the University more than about Rs 65 lakh annually and the University will get electricity at about Rs 3.33. After the solar power plant is set up, the University will generate 13.70 lakh units of electricity annually.

Giving information in this regard, the University spokesperson said that a Power Purchase Agreement (Power) has been secured between Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, Sukhbir Agro Energy Limited (authorized from Solar Energy Corporation of India) and Haryana Renewable Energy Development Agency (Hareda). Under this, one megawatt solar power plant will be installed in the University. The entire cost of setting up the plant will be borne by the company. University Vice Chancellor Professor Samar Singh said that setting up a solar power plant is an important step towards environmental protection. It will be installed on the roofs of all the buildings of the University and after this the rate of electricity per unit to the University will also be reduced, because so far the cost of electricity per unit from Dakshin Haryana Bijli Vitran Nigam is about Rs 6.40. Power Purchase Agreement, was signed in the presence of University Vice-Chancellor Professor Samar Singh, Estate Officer and Chief Engineer, Mr. Bhupendra Singh, Sub Divisional Officer, Mr. Somvir Gehlavat and Sukhbir Agro Energy Limited CEO, Mr. Khalid Nadeem and Deputy Manager Mr. Anil Yadav.

University's Estate Officer and Chief Engineer, Mr. Bhupendra Singh said that this will be the first time such a solar power plant is being installed on government building in the state as the electricity generated from this plant will be around Rs 3.33 per unit. Earlier, wherever government buildings have solar power plants, their electricity rate per unit is expensive. He informed that the company will take care of these plants and for the next 25 years the company will run and maintain these solar power plants. After this, on completion of the 25-year period, this solar power plant will become the property of the university. (JMT-INF).

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Top Story	**27.10.2020**	**Online**	--

CCS Haryana Agricultural university will set up a solar power plant to save Rs 65 lakh annually

TSN/Chandigarh

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU) , Hisar is going to take a new initiative towards conservation of environment. As a part of this, the University will soon ensure functioning of electrical appliances through solar energy. This will save the University more than about Rs 65 lakh annually and the University will get electricity at about Rs 3.33. After the solar power plant is set up, the University will generate 13.70 lakh units of electricity annually.

Giving information in this regard, the University spokesperson said that a Power Purchase Agreement (Power) has been secured

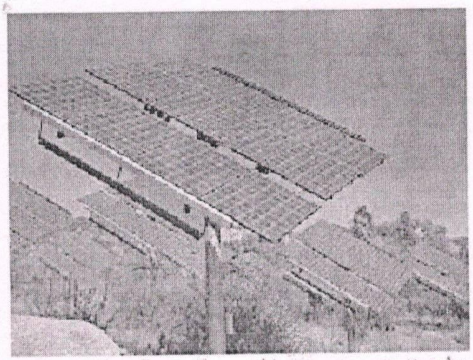

between Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, Sukhbir Agro Energy Limited (authorized from Solar Energy Corporation of India) and Haryana Renewable Energy Development Agency (Hareda). Under this, one megawatt solar power plant will be installed in the University. The entire cost of setting up the plant will be borne by the company. University Vice Chancellor Professor Samar Singh said that setting up a solar power plant is an important step towards environmental protection. It will be installed on the roofs of all the buildings of the University and after this the rate of electricity per unit to the University will also be reduced, because so far the cost of electricity per unit from Dakshin Haryana Bijli Vitran Nigam is about Rs 6.40. Power Purchase Agreement, was signed in the presence of University Vice-Chancellor Professor Samar Singh, Estate Officer and Chief Engineer, Mr. Bhupendra Singh, Sub Divisional Officer, Mr. Somvir Gehlavat and Sukhbir Agro Energy Limited CEO, Mr. Khalid Nadeem and Deputy Manager Mr. Anil Yadav.

University's Estate Officer and Chief Engineer, Mr. Bhupendra Singh said that this will be the first time such a solar power plant is being installed on government building in the state as the electricity generated from this plant will be around Rs 3.33 per unit. Earlier, wherever government buildings have solar power plants, their electricity rate per unit is expensive.

He informed that the company will take care of these plants and for the next 25 years the company will run and maintain these solar power plants. After this, on completion of the 25-year period, this solar power plant will become the property of the university.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....एच आर ब्रेकिंग.....

दिनांक 26.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

एसडीएम ने गांव कमाना में किया आधुनिक मशीनों से पराली से गांठे बनाने के कार्य का निरीक्षण

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

किसान प्रकाश सिंह ने 11 एकड़ व पोला सिंह ने ढाई एकड़ भूमि में मशीनों की सहायता से पराली को गांठे बनाकर खेतों से हटाया

रतिया। उपमंडलाधीश सुरेंद्र सिंह बैनीवाल ने सोमवार को गांव कमाना की अनाज मंडी में निरीक्षण किया और किसानों की समस्याओं की जानकारी ली। उपमंडलाधीश ने कृषि विभाग और पंचायत विभाग के अधिकारियों को सख्त-निर्देश देते हुए कहा कि किसानों की जो समस्याएं है उनका समाधान करें।

उन्होंने किसानों से कहा कि वे कृषि विभाग के पोर्टल पर मेरी फसल मेरा ब्यौरा के तहत पंजीकरण करवाएं। एसडीएम ने गांव में खाली पड़ी पंचायती जगह पर पराली से तैयार गांठे रखवाने बारे वहां पर मौजूद किसानों से कहा।

इसके बाद एसडीएम ने किसान प्रकाश सिंह पुत्र ठाकर सिंह ने 11 एकड़ और पोला सिंह पुत्र मुख्तार सिंह द्वारा ढाई एकड़ में आधुनिक मशीनों द्वारा धान की फसल के अवशेषों से तैयार गांठे बनाने के कार्य की सराहना की। इस दौरान बलकार सिंह (9896409563) ने जानकारी दी कि आधुनिक मशीनों द्वारा खेत से गांठे तैयार करके उठाकर ले जाने का खर्च 1 एकड़ का 2500 रुपये पड़ता है। एसडीएम ने क्षेत्र के किसानों से अपील की है कि वे धान कटाई के बाद फसल अवशेष को आग ना लगाएं। खेतों में फसल अवशेष जलाने से न केवल मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम होती है, पर्यावरण भी प्रदूषित होता है।

सरकार द्वारा फसल अवशेषों का सही प्रबंधन करने के लिए कृषि यंत्रों पर भारी अनुदान भी दिया जाता है और पराली प्रबंधन करने वाले किसानों को भी प्रोत्साहन स्वरूप राशि दी जाती है। उन्होंने कहा जो किसान अपने धान की पराली का कृषि यंत्र द्वारा पराली प्रबंधन करवाएगा तो उस किसान को प्रति एकड़ अधिकतम एक हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए किसान को विभागीय पोर्टल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू एग्रीहरियाणासीआरएम डॉट कॉम पर अपना पूर्ण विवरण देकर पंजीकरण करवाना होगा।

उन्होंने बताया कि किसान यदि औद्योगिक ईकाई में गांठों को बेचता है तो उसे संबंधित औद्योगिक ईकाई से बिल प्राप्त करना होगा। इसके अलावा यदि पंचायत द्वारा उपलब्ध करवाई गई भूमि पर गांठों को एकत्रित करता है तो ग्राम पंचायत एवं विभागीय कर्मचारियों द्वारा उसे सत्यापित प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा, जिसे किसान द्वारा उक्त पोर्टल पर अपलोड करना होगा, ताकि किसान को पराली प्रबंधन बारे प्रोत्साहन राशि दी जा सके। इस अवसर पर एडीओ डॉ. संतलाल, पंचायत अधिकारी उमेद सिंह, कानूनगो गुरमेल सिंह, महेंद्र सिंह, सुखपाल, गुरप्रीत सिंह नम्बरदार, सरदार जगराज सिंह, भोला सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक .....पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

CMO Haryana
@cmohry

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए एक नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। इससे विश्वविद्यालय को सालाना करीब 65 लाख रूपए से अधिक की बचत होगी।

Translate Tweet

3:58 pm · 26 Oct 20 · Twitter Web App

36 Retweets **2** Quote Tweets **309** Likes

CMO Haryana @cmohry · 5h
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटिड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी के बीच एक बिजली खरीद करार हुआ है। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी वहन करेगी। विश्वविद्यालय सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा।